वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 35 | शुक्रवार 30 मई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों की सफलता के लिए दी बधाई

शर्मा ने केन्द्रीय आवास तथा शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से भी की मुलाकात
प्रदेश में ड्रेनेज विकास, पेयजल उपलब्धता, मेट्रो विस्तार एवं सुगम परिवहन सुविधा के संबंध में हुई चर्चा

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान शर्मा ने केन्द्रीय गृहमंत्री को आतंकवाद के विरुद्ध भारतीय सशस्त्र बलों के ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। शर्मा ने केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री को राजस्थान में सहकारिता क्षेत्र की प्रगति एवं नवाचारों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पैक्स के कंप्यूटराइजेशन, म्हारो खातो म्हारो बैंक, गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना और सहकार से समृद्धि अभियान से जुड़े विषयों पर चर्चा की तथा अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में राजस्थान में प्रस्तावित सहकार सम्मेलन के लिए शाह को सादर आमंत्रित किया। साथ ही, मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय सहकारिता मंत्री को सहकार से समृद्धि अभियान के तहत प्रारम्भ की गई 54 पहलों की सफल क्रियान्विति के लिए आभार व्यक्त किया। शर्मा ने केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य तथा ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल से भी मुलाकात की। इस दौरान शर्मा ने राजस्थान में ड्रेनेज विकास, पेयजल उपलब्धता, मेट्रो विस्तार, सुगम परिवहन सुविधा तथा विभिन्न माध्यमों के जरिए विद्युत उत्पादन व आपूर्ति के संबंध में विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री के साथ प्रदेश के विभिन्न जिलों में शहरी परिवहन सेवाओं के विस्तार एवं सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाने के संबंध में चर्चा की। साथ ही, उन्होंने जयपुर मेट्रो परियोजना-द्वितीय चरण के लिए संयुक्त उद्यम मॉडल के तहत अनुमोदन प्रदान करने तथा केन्द्रीय सहायता शीघ्र जारी करने पर विस्तृत बातचीत की। शर्मा ने केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल से जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा दिन के समय कृषि उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति के प्रबंधन के लिए 1368 करोड़ रुपए की डीपीआर को आरडीएसएस परियोजना के अन्तर्गत मंजूरी प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री से राजस्थान में 115 गीगावाट की योजनाओं के अतिशीघ्र क्रियान्वयन तथा 50 गीगावाट अतिरिक्त नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी हेतु पारेषण (ट्रांसमिशन) तंत्र विकसित करने के लिए सीटीयूआईएल, सीईए, एमएनआरई एवं अन्य संबंधित संस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान करने का अनुरोध किया।

केन्द्रीय रेल मंत्री एवं केन्द्रीय कोयला मंत्री से मुलाकात, महत्वपूर्ण विषयों पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री शर्मा ने केन्द्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नागरिकों की सुविधा व औद्योगिक विकास के लिए रेलवे नेटवर्क के विस्तार पर चर्चा की। साथ ही, डिजिटल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ बनाने तथा सूचना एवं प्रसारण क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करने से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त शर्मा ने केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने खनिज संसाधनों के सतत विकास, निवेश की संभावनाओं और खनन क्षेत्र से जुड़ी बुनियादी संरचना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ पावर प्लांट के लिए कोयला आपूर्ति के संबंध में सार्थक चर्चा की।

शिक्षिकाओं एवं शिविरार्थियों का हुआ सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

कीर्ति नगर, राजस्थान दिगम्बर जैन महासमिति, राजस्थान अंचल, पश्चिम संभाग की कीर्ति नगर इकाई द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह में सभी शिक्षिकाओं, संयोजकों एवं शिविरार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्कार सरोवर भाग प्रथम (लिखित एवं मौखिक), द्वितीय, तृतीय, छहढाला, तत्वार्थ सूत्र एवं भक्तामर स्तोत्र प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले शिविरार्थियों को भी पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। सर्वप्रथम इकाई अध्यक्ष भाग चन्द जैन द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। शिविर प्रभारी रमेश चन्द पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुरारीलाल गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि जयकुमार झशोभा कासलीवाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रबंधकारिणी समिति के महामंत्री जगदीश जैन, मंत्री राजकुमार जैन, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार गोधा, महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती कांता सौगानी, एवं महामंत्री श्रीमती रीटा छाबड़ा भी मंचासीन रहे। दस दिवसीय शिविर के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। समापन अवसर पर इकाई मंत्री राजकुमार जैन द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया। अंत में समस्त अतिथियों एवं शिविरार्थियों को मनीष झसुनीता जैन (रेवड़ी वाले) द्वारा अल्पाहार कराया गया।

जयदु श्रुत देवता

श्री मुनिसुव्रतनाथ जिनेन्द्राय नमः

श्रुत देवता जयवंत रहें

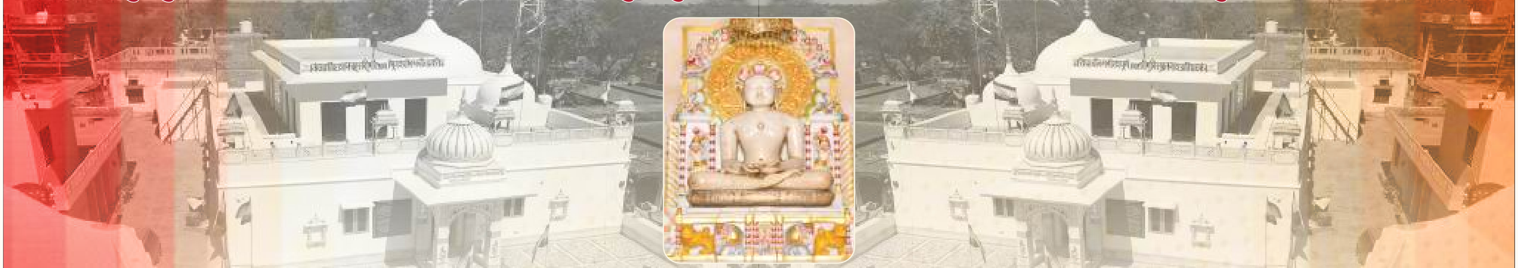

अति प्राचीन श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र हस्तेड़ा (चौमू) जयपुर

जिनवाणी स्थापना महोत्सव

जीर्णोद्धार से पूर्व जिनवाणी

शुभ तिथि :- श्रुत पंचमी 31 मई, शनिवार 2025

जीर्णोद्धार के उपरान्त जिनवाणी

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, हस्तेड़ा, चोमू (जयपुर)

इतिहास पुरोवाक

राजस्थान की पुण्य भूमि, मौन्दर्य की मनोहारी छटा में, प्राचीन सरस्वती नदी की सहायक नदी के किनारे स्थित यह अतिशय क्षेत्र भारत के जैन इतिहास का एक अद्भुत और जीवंत प्रतीक है।

यहाँ मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान की प्रतिमा, जो संवत 1209 (सन 1153 ई.) में आचार्य श्रीयुत स्वामी द्वारा प्रतिष्ठित की गई, जो आज भी नित्य प्रक्षाल और पूजन के साथ विराजमान है। प्रतिष्ठा शिलालेख के अनुसार उस समय 13 पिच्छिका संघ की उपस्थिति विशेष उल्लेखनीय रही।

मंदिर के शिलालेख और स्थापत्य को देखकर यह स्पष्ट होता है कि यह मंदिर प्राचीन से भी अतिप्राचीन है, और यह विश्व की दूसरी प्राचीनतम मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा मानी जाती है।

यहाँ भगवान संभवनाथ की प्रतिमा संवत 1400 में प्रतिष्ठित हुई, जो मूलनायक के दाहिनी ओर विराजमान है। मंदिर में कुल 15 अन्य प्राचीन प्रतिमाएँ विक्रम संवत 1721-1933 के बीच प्रतिष्ठित हुई, जो इसकी लंबे समय तक चली मनोरथ सिद्धि की परंपरा को दशार्ती हैं।

विशेष धरोहरें

:- 19 अष्टधातु की प्रतिमाएँ (संवत 1880झ्र1926), जिनकी प्रशस्तियाँ अब भी संरक्षित हैं।

:- 9 अत्यंत प्राचीन धातु यंत्र।

:- जीर्णोद्धार में प्राप्त 2 शिलालेख, जिनमें हर 25 वर्षो में महा मस्तकाभिषेक के आयोजन का उल्लेख मिलता है। यहाँ के शास्त्र भण्डार में सबसे प्राचीन जैन ज्योतिष की पांडुलिपि है। इसमें हस्तलिखित अनेक चित्रित पांडुलिपियाँ है। जैन शास्त्रों में मुख्यतः तत्त्वार्थ सूत्र ,नीलकंठ ज्योतिष धर्म परीक्षा, बनारसी विलास,भक्तामर स्तोत्र ,चरित्रसार , रत्नकरंडक श्रावकाधार, भक्तभंजन कल्पद्रुम स्त्रोत प्रमुख हैं।

स्थापत्य और कला

मंदिर का उत्तुंग शिखर गुम्बदाकार है, जिसमें मुगल स्थापत्य कला की झलक मिलती है, जबकि भीतर राजपूत और गुर्जर प्रतिहार शैली का अद्भुत संगम दिखाई देता है। मुख्य द्वार और वेदियों पर तक्षण कला के साक्ष्य अब भी शेष हैं।

साहित्यिक और ऐतिहासिक धरोहर

जीर्णोद्धार के दौरान अनेक प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियाँ प्राप्त हुई, जिनके संरक्षण और शोध से इस क्षेत्र का इतिहास और समृद्ध किया जा सकता है।यह सभी पाण्डुलिपियाँ अब नव निर्मित जिनवाणी वेदी में स्थापित होने जा रही है

सामाजिक और धार्मिक महत्व

यह क्षेत्र प्राचीन काल में पंचायती मंदिर के रूप में प्रसिद्ध था, जहाँ दीन के दयाल जी कर दो निहाल जी का जयकारा गूंजता था। यहाँ के अतिशय और दिव्य अनुभूतियाँ आज भी श्रद्धालुओं को अद्भुत शांति और शुद्धता का अनुभव कराती हैं।

जीर्णोद्धार और संरक्षण

पिछले सौ वर्षो में उपेक्षित रहे इस क्षेत्र का हाल का जीर्णोद्धार वास्तु दोष निवारण सहित किया गया है, जिससे यह फिर से अपने ऐतिहासिक गौरव को प्राप्त कर रहा है।

#BPBMEDIA_AGRA_8899344441

तब

अति प्राचीन श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र हस्तेड़ा में जीर्णोद्धार के समय प्राप्त अति प्राचीन पवित्र ग्रंथों का संरक्षण, संवर्धन और जीर्णोद्धार का दुर्लभ कार्य सानंद संपन्न हो गया है। इन पवित्र ग्रंथों को नवनिर्मित आगम- परमागम मंदिर में स्थापना का आनंद मय उत्सव श्रुत पंचमी के दिन डॉ अशोक जैन शास्त्री, दिल्ली के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है।

अब

कार्यक्रम

31 मई, शनिवार 2025

प्रातः 7:00 बजे श्री जी अभिषेक एवं शांतिधारा

प्रातः 8:00 से 10:30 बजे तक पूजन तथा श्रुतपंचमी पूजन विधान

प्रातः- 10:30 बजे आगम-परमागम मंदिर जी में जिनवाणी स्थापना का महोत्सव

प्रातः- 11:15 बजे वात्सल्य भोजन

निवेदक :- प्रबन्धन कमिटी

अति प्राचीन मुनिसुव्रत नाथ अतिशय क्षेत्र हस्तेड़ा

संपर्क सूत्र : 09588020330, 90012 55955, 09811080808, 09784857991,

वेद ज्ञान

मानसिक व्यायाम आवश्यक

व्यायाम के बगैर शरीर पुष्ट नहीं होता। ठीक उसी तरह मन के कार्यों को उचित तरह से संपन्न करने के लिए कुछ न कुछ मानसिक व्यायाम भी आवश्यक हैं। जिस मानव में दानव सरीखी शारीरिक शक्ति हो और उसके मन का स्वरूप विकसित न हो तो उसे पूर्ण मनुष्य नहीं कहा जा सकता। क्या आपके मन में नकारात्मक और अशालीन विचार उत्पन्न होते हैं? ऐसे विचारों को दूर करने के लिए अंतः करण शुद्ध करें। मन का एक दोष उसका अत्यधिक चंचल होना है। रंग बिरंगी तितली की भांति उसका एक फूल से दूसरे फूल तक मंडराना गलत है। कोई तत्व, विशेष विचार या भावना को ले लीजिए वह विचार या भावना भले ही शुष्क क्यों न हो, उस पर मन की समग्र वृत्तियों को एकाग्र कर दें। मन कुछ समय उपरांत भागेगा, आप संयम द्वारा उसे बांधे रहिए। विचलित न होइए। इस क्रिया को विभिन्न वस्तुओं, विचारों और भावनाओं के संदर्भ में लागू करने पर मन में स्थिरता व दृढ़ता आती है। मनन ही मन का सर्वश्रेष्ठ व्यायाम है। आप जिस बात को लें, उसी में कुछ समय के लिए जुट जाएं। आप सारे दिन किस प्रकार के विचारों का चिंतन करते हैं? किन-किन विभिन्न वृत्तियों व भावनाओं में दिन गुजारते हैं? अपने मन के दृष्टा बनकर पूर्ण परीक्षा करें। इस संदर्भ में महत्वपूर्ण बात यह है कि मन में शुभ विचारों के उत्पन्न होने पर द्वेष, घृणा, ईर्ष्या आदि नकारात्मक विचार उत्पन्न ही नहीं होते। जो मनुष्य अपने मन में नकारात्मक विचारों को स्थान देता है, उसके व्यक्तित्व में भी नकारात्मक बातों का समावेश हो जाता है। मन को निरोग बनाने के लिए ईश्वर पर आस्था रखें और सकारात्मक विचारों को मन में स्थान दें। इस बात को महसूस करें कि आपके मन का प्रत्येक अणु ईश्वरीय तत्व से अनुप्राणित है। अंतर्मन में ईश्वर की अनुभूति करें। सच तो यह है कि मन को एकाग्र किए बगैर किसी प्रकार का अभ्यास उत्तम विधान से संपन्न नहीं होता। अध्ययन, मनन या साधना के समय अगर मन को दृढ़ता से एकाग्र न किया जाए तो उसका फल प्राप्त ही नहीं होता।

संपादकीय

कर्ज, महंगाई और टूटते सपने

भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार जहां एक ओर पूरी दुनिया को अचंभित करती है, वहीं एक कड़वा सच यह भी है कि करोड़ों परिवार आज भी बहुत मुश्किल से अपना घर चला पा रहे हैं। इनमें से अनेक लोगों को विश्वास है कि वे कर्ज लेकर व्यापार करेंगे, तो अधिक पैसे कमाएंगे और बेहतर भविष्य बनाएंगे। दूसरी ओर, कुछ को लगता है कि भविष्य के बारे में ज्यादा सोचने के बजाय उन्हें वर्तमान में जी लेना चाहिए। मगर स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च बढ़ने से उनकी चुनौतियां भी लगातार बढ़ रही हैं। महंगाई और घटती आय की वजह से उनमें निराशा है। उनकी उम्मीदें टूटी हैं। चिंता का विषय है कि बैंकों का बकाया न चुकाने के कारण कई परिवार कर्ज में इस तरह डूब जाते हैं, जहां से निकलना उनके लिए संभव नहीं होता। कुछ लोग आत्महत्या जैसे घातक कदम उठा लेते हैं। हरियाणा के पंचकूला में एक ही परिवार के सात लोगों की खुदकुशी ऐसा ही मामला है। सच्चाई यही सामने आई है कि इस परिवार पर बैंक का बहुत सारा पैसा बकाया था, जिसे चुकाना उसके लिए मुश्किल हो गया था। कर्ज में डूबा परिवार रोजमर्रा की जरूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहा था। अगर देश के नागरिक घर और वाहन खरीदने के लिए कर्ज ले रहे हैं, तो निश्चित रूप से इसके पीछे बेहतर रोजगार और अच्छी आय की संभावनाएं छिपी हैं। मगर कारोबार के लिए लिया गया कर्ज कोई नहीं चुका पा रहा है, तो इस पर सोचने की जरूरत है कि विकास की तेज रफ्तार के बीच उनका कारोबार क्यों पिछड़ रहा है। अगर व्यापारी कर्ज लेकर भी लागत नहीं निकाल पा रहे हैं, तो इसके पीछे के कारणों को समझने और उनका हल निकालने की जरूरत है। इसके लिए नीति निमार्ताओं को ही आगे आना होगा। यह सच भी छिपा नहीं है कि कर्ज में डूबे हजारों किसान खुदकुशी कर चुके हैं। फसलों की लागत न निकल पाने से उनमें भारी निराशा है। छोटे कारोबारियों की स्थिति भी कोई अच्छी नहीं है। जरूरत है कि बेहतर जिंदगी जीने की करोड़ों लोगों की उम्मीदें और सपने बचाने के लिए अब ठोस और सार्थक कदम उठाए जाएं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बेहतरी की फसल

सरकार ने चालू वित्तवर्ष में खरीफ फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की घोषणा कर दी है। हर वर्ष फसल की बुआई से पहले फसलों की एमएसपी घोषित की जाती है। इस वर्ष धान की फसल के लिए पिछले वर्ष की तुलना में न्यूनतम समर्थन मूल्य उनहत्तर रुपए प्रति कुंतल बढ़ा दिया गया है। इसी तरह कुल चौदह फसलों का एमएसपी घोषित किया गया है, जिनमें दलहनी फसलें और मोटे अनाज शामिल हैं। सरकार का दावा है कि यह बढ़ोतरी उसके वादे अनुरूप है, जिसमें उत्पादन लागत का कम से कम पचास फीसद अधिक एमएसपी तय किया जाता है। इसके अलावा, ब्याज सबर्वेशन योजना के तहत किसानों को खेती और बागवानी के लिए तीन लाख रुपए तक और कृषि सहायक उद्यमों जैसे पशुपालन और मछली पालन के लिए दो लाख रुपए तक का कर्ज रियायती दर पर उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है। कहा जा रहा है कि इससे किसानों को काफी लाभ मिलेगा और कृषि क्षेत्र में सुधार नजर आएगा। पर इन घोषणाओं से किसान संगठन कितने खुश हो पाते हैं, देखने की बात होगी, क्योंकि वे लंबे समय से न्यूनतम समर्थन मूल्य में विसंगतियों और कृषि सुविधाओं में कमी के मुद्दे उठाते रहे हैं। किसानों की स्थिति बेहतर करने के मकसद से स्वामीनाथन समिति का गठन किया गया था, जिसने सुझाव दिया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी का कानून बनना चाहिए। फिर, उत्पादन लागत में किसानों के पारिवारिक श्रम की कीमत भी जोड़ी जानी चाहिए। मौजूदा सरकार ने वादा किया था कि किसानों को उनकी फसलों की कीमत लागत की डेढ़ गुना तक दी जाएगी। मगर न्यूनतम समर्थन मूल्य के निर्धारण में किसानों के पारिवारिक श्रम की कोई कीमत नहीं आंकी जाती। फिर, बीज, खाद, कीटनाशक, सिंचाई आदि पर आने वाले खर्च को भी ठीक से नहीं आंका जाता, जिसकी वजह से लागत और अंतिम मूल्य में बहुत अंतर नहीं रह जाता। खासकर धान जैसी फसलों पर उत्पादन लागत अधिक बैठती है। फिर भी, न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी से किसानों में फसल बोने को लेकर उत्साह बनता है। पर यह शिकायत आम है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य तय होने के बावजूद आढ़ती उस कीमत पर किसानों से फसलें नहीं खरीदते ज्यादातर मामलों में उससे कम, बल्कि कई बार किसान काफी कम कीमत पर फसल बेचने को मजबूर होते हैं। इस पर रोक लगाने का कोई उपाय अभी तक नहीं किया गया है इसीलिए एमएसपी की गारंटी का कानून बनाने की मांग जोर पकड़ती रही है। सरकार का वादा है कि वह किसानों की आय दोगुनी करेगी। इसके मद्देनजर कई योजनाएं भी चलाई गई हैं। किसान क्रेडिट कार्ड भी उसी में एक है। पर किसानों की दशा में कोई उल्लेखनीय सुधार नजर नहीं आ पा रहा, तो इसकी कुछ वजहें साफ हैं। एक तो देश के अस्सी फीसद से ऊपर सीमांत किसान हैं, जो किसी तरह अपने परिवार के गुजारे भर की फसल पैदा कर पाते हैं। दूसरे, जलवायु परिवर्तन की वजह से सूखा, बाढ़, तूफान आदि के कारण फसलों के चौपट होने का खतरा दिनोंदिन बढ़ता गया है। बढ़ती गर्मी के कारण उत्पादन पर भी असर पड़ा है। ऐसे में किसान कर्ज से मुक्त नहीं हो पाते। इसीलिए कृषि योजनाएं अपने मकसद तक नहीं पहुंच पातीं। वे अस्थायी राहत ही साबित होती हैं। कृषि संबंधी व्यावहारिक नीतियों की जरूरत बनी हुई है।

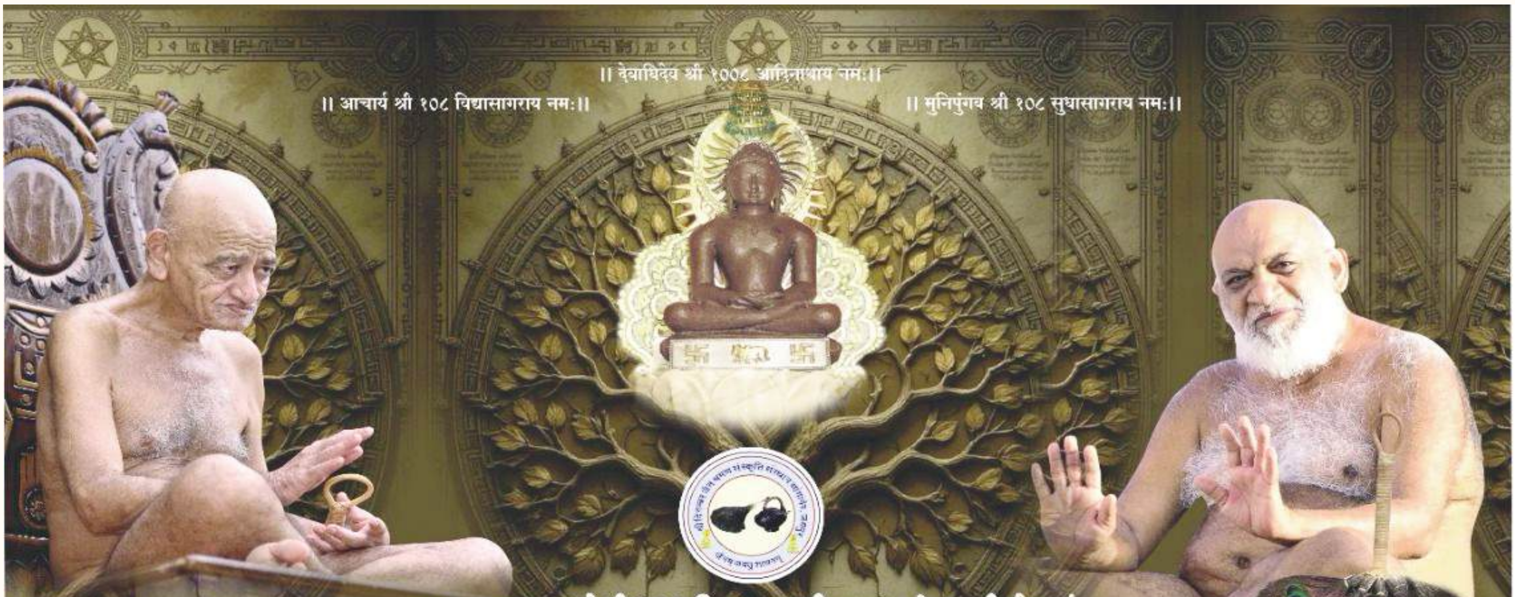

परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं
परम पूज्य निर्यापक मुनि पुंगवश्री 108 सुधासागरजी महाराज की प्रेरणा से संस्थापित

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान

के अन्तर्गत संचालित

संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय

के तत्वावधान में

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल एवं संयुक्त महिला सम्भाग

के संयोजन में दिनांक 16 से 27 मई, 2025 तक अपार सफलता के साथ आयोजित

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर

का

समापन व सम्मान समारोह

शनिवार, दिनांक 31 मई, 2025
सायंकाल 6.30 बजे से रात्रि 10.15 बजे तक
स्थान : विद्या सुधा सभा मण्डप, संस्थान परिसर, वीरोदय नगर, सांगानेर, जयपुर

समारोह शिरोमणि
व्रती श्राविका श्रीमती सुशीला जी पाटनी धर्मपत्नी श्री अशोक जी पाटनी 'आर.के.मार्बल्स'

अध्यक्षता	: श्री सुधान्शु जी श्रीमती ऋतु जी कासलीवाल
मुख्य अतिथि	: श्री नन्दकिशोर जी श्रीमती शान्ता देवी जी पहाड़िया
दीप प्रज्वलनकर्त्ता	: श्री विवेक जी श्रीमती आशा जी काला
विशिष्ट अतिथि	: श्री राकेश जी श्रीमती स्वाति जी नेकीवाला
विशिष्ट अतिथि	: श्रीमती ममता जी सौगानी धर्मपत्नी श्री शांति कुमार जी सौगानी, जापानवाले
विशिष्ट अतिथि	: श्रीमती रचना जी जैन पुत्री श्री भरत जी मोदी, इन्दौर
	: श्री किशोर जी श्रीमती सपना जी सरावगी (सरावगी मेंशन)

|| आप सादर आमंत्रित है। ||

निवेदक : प्रबन्धकारिणी समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण
श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर, जयपुर (राज.)

श्रद्धाभाव से की गई भक्ति अवश्य फल देती है: मुनि जयकीर्ति

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रद्धाभाव से की गई भक्ति अवश्य फल देती है। कई श्रावक संतों एवं धार्मिक गतिविधियों एवं सेवा कार्यों के प्रति गलत धारणा रखते है।जो उनकी तुच्छ सोच को दर्शार्ता है। मानव को जीवन में कभी भी नकारात्मक सोच नहीं रखनी चाहिए। सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने वाले हमेशा हर क्षेत्र में सफल होते हैं। ये उदगार दुर्गापुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी में मुनि जयकीर्ति महाराज ने धर्म सभा के दौरान व्यक्त किये। इस मौके पर मुनि श्री ने सम्यक्त्व एवं मिथ्यात्व के भेद पर प्रकाश डाला। इस मौके पर दिगम्बर जैन मुनि जयकीर्ति महाराज के दर्शन एवं आशीर्वाद के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इस मौके पर समाजसेविका मुन्ना देवी वैद,मुनि भक्त चिन्ता मणि बज, विनोद जैन कोटखावदा, आशा बज आदि ने श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इससे पूर्व भगवान चन्द्र प्रभू के चित्र का अनावरण, दीप प्रज्वलन समाज श्रेष्ठी सुभाष - सुधा गंगवाल, राजकुमार सेठी ने किया। साथ में ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड , उपाध्यक्ष सुनील संगही, मंत्री राजेन्द्र काला ने दीप प्रज्वलन में सहयोग किया। श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के त्रिशला सम्भाग की अध्यक्ष चंदा सेठी, माया संगही, सुधा गंगवाल व मुन्ना देवी सौगानी ने जिनवाणी भेट की। संचालन मंदिर ट्रस्ट के मंत्री राजेन्द्र काला ने किया। अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड ने बताया कि शुक्रवार, 30 मई को प्रातः 8.15 बजे धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा।

जैन युवा महिला फेडरेशन का परिंडा लगाओ अभियान, 108 परिंडे बाधे

जयपुर. शाबाश इंडिया

आओ बने पंछियों का सहारा जीव दया सामाजिक कार्यक्रम के तहत जनता कालोनी स्थित जैन युवा महिला फेडरेशन द्वारा श्री दिगंबर जैन मंदिर जनता कॉलोनी परिसर व स्थानीय जनता कॉलोनी गोखले पार्क,जनता पार्क व शॉपिंग सेंटर में बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे पेड़ों पर लगाए गए। इस मौके पर चुग्गा दाना भी वितरित किया गया। जैन युवा महिला फेडरेशन की अध्यक्ष मंजू गंगवाल एवं सचिव सुधा जैन ने बताया कि तीन बार णमोकार महामंत्र के उच्चारण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अतिथि के रूप में समाजसेविका सरोज, संध्या गंगवाल का स्वागत किया गया। तत्पश्चात 108 परिण्डे बांधे गये। कई लोगो को घर पर लगाने के लिए भी परिण्डे वितरण किये गये। उपस्थित महिला - पुरुषों ने इन परिण्डो में पानी भरने का संकल्प लिया। उल्लेखनीय है जैन युवा महिला फेडरेशन वर्ष पर्यंत अपनी महिला सदस्याओ के साथ सामाजिक कार्यों के तहत जयपुर फुट का वितरण, रक्तदान एवं मेडिकल जांच शिविर, शैक्षणिक छात्रवृत्तियां, शीतल जल प्याऊ,निशक्त असहाय व्यक्तियों को भोजन कपड़ों का वितरण वृद्ध आश्रमो सहायता आदि धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन करता रहता है। गुरुवार को आयोजित जीव दया सामाजिक कार्यक्रम के मौके पर जनता कॉलोनी जैन सभा के अध्यक्ष प्रकाश पापड़ीवाल, जेएसजीआई एफ नॉर्दर्न रीजन के उपाध्यक्ष सुधीर गंगवाल,राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के मालवीय नगर सम्भाग के महामंत्री विनोद जैन, फेडरेशन की संस्थापक अध्यक्ष दीप्ति जैन, पूर्व अध्यक्ष मीना अजमेरा, सुनीता कासलीवाल,सुनीला गंगवाल,वंदना टोंग्या, सांस्कृतिक मंत्री विनीता बड़जात्या,अमृता कटारिया, मेनका गंगवाल,मीनू गोधा स्मिता कटारिया, पुष्पा पापड़ीवाल, सुनीता गंगवाल, रितिका पपड़ीवाल, सुमन सेठी बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य श्रेष्ठी उपस्थित थे। सांस्कृतिक मंत्री विनीता बड़जात्या ने आगंतुक सभी साधर्मी बधुओ एवं अतिथियों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से

मुजफ्फरपुर. शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज की उत्तराखण्ड के बद्रिनाथ से हरिद्वार से उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरपुर तक तरुण सागरम अहिंसा संस्कार पदयात्रा चल रही है आज विहार दरम्यान उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि हक की बात बोलने के लिए कलेजा चाहिए.. तलवे चाटने वाले के लिये, एक जीभ ही बहुत है..! यह ज़िन्दगी एक अमानत है। सावधान रहिये ! चित्त की चौकसी ही परम ज्योति को पाने का द्वार है। अभी तुम एक पत्थर हो। परमात्मा के घटते ही सब पत्थर प्रतिमाएं बन जाते हैं। तुम प्रतिमा बन सकते हो क्योंकि तुममे प्रभु बनने की प्रतिभा है। प्रभु बनना है तो मन को माजना होगा। केवल तन को माजना ही पर्याप्त नहीं है। तन को क्यों माजना ? तन को माजना तो ऐसा ही है जैसे -कोयला धोया दूध से, निकला इतना सार। कोयला तो उजला नहीं, दूध गया बेकार। मन को माजो तो कोई बहादुरी होगी। मन को माज कर ही तो कोई वीर, अतिवीर और महावीर बन पाता है। सिकन्दर जैसे विश्व विजेता तो इस पृथ्वी पर बहुत हुए, लेकिन मन के किले पर फतह करने वाले महावीर तो कुछेक ही है। सिकन्दर विश्व-विजेता का प्रतीक है तो महावीर आत्म-विजय के प्रतीक है। सिकन्दर और महावीर में बस इतना ही अन्तर है कि एक विश्व विजेता है परन्तु स्वयं से हारा है। दूसरा आत्म विजेता है मगर विश्व का मसीहा है। जो जाग गया, वह महावीर बन गया और जो ना जाग पाया, सोये सोये जिया और सोये सोये ही मर गया, वह सिकन्दर बन गया। कहीं आप सिकन्दर तो नहीं है-- ? क्योंकि -- सच्चाई के रास्ते पर चलने में ही फायदा है। क्योंकि -- सत्य की राह पर भेड़ों की भीड़ नहीं मिलती... दिनांक 31 में तक रहेगा संघ मुजफ्फरनगर नगर में !!!

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

तीनों नसियां महिला मंडल,जयपुर श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। तीनों नसियां महिला मंडल, तीनों नसियां जैन समाज द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बजो की नसियां, तीनों नसियां, जयपुर में श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर द्वारा श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर दिनांक 16 मई 2025 से 27 मई, 2025 तक आयोजित किया गया शिविर में श्रमण संस्कृति संस्थान से पधारी विदुषी सुश्री पायल जैन व सुश्री आयुषी जैन ने अध्ययन कराया। शिविर में स्थानीय बालक बालिकाओं और महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया। शिविर के समापन पर जिनवाणी माता के साथ प्रभात फेरी निकाली। बालिकाओं व महिलाओं ने नाटक भगवान आदीनाथ का वैराग्य की अति सुंदर प्रस्तुति दी। शिविर में छहढाला, ईष्टोपदेश, तत्वार्थ सूत्र प्रथम अध्याय, सिद्धांत प्रवेशिका भाग प्रथम व तृतीय का अध्ययन कराया गया। शिविर के समापन पर सभी प्रतिभागी बच्चों व महिलाओं को प्रमाणपत्र व पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती अंजना शाह, मंत्री श्रीमती किरण दीवान, शिविर संयोजक श्रीमती सुनीता सौगाणी, श्रीमती सुशीला बज समाज श्रेष्ठी श्रीमती अनिता जैन पार्षद वार्ड नंबर 21, नगर निगम हैरिटेज, जयपुर, कमल दीवान, ज्ञानचंद बज, निर्मल जैन, महेन्द्र सौगाणी, संजय शाह सहित बडी संख्या में उपस्थित श्रेष्ठी जनों ने आयी हुई दीदीयों पायल दीदी व आयुषी दीदी का सम्मान कर धन्यवाद ज्ञापित किया। भगवान आदीनाथ व आचार्य विद्यासागरजी महा मुनिराज के जयकारो से शिविर का समापन किया गया।

श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर महेश नगर में ग्रीष्म कालीन धार्मिक शिक्षण शिविर सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर दिनांक 16 मई से 27 मई 2025 के मध्य श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर 'महेश नगर में आयोजित किया गया, जिसमें सभी बच्चों एवं बड़े ने भाग लिया। दीदियों ने बहुत ही अच्छा अध्ययन करवाया। पाठशाला में बहुत सारे श्रावक श्रेष्ठी परिवारों ने योगदान दिया । पाठशाला परिवार एवं महेश नगर जैन समाज आप सभी का हार्दिक अभिनंदन एवं आभार व्यक्त करता है। पाठशाला में आने वाले सभी विद्यार्थियों को और तत्त्वार्थ सूत्र की कक्षा में पाठशाला की तरफ से प्रतिदिन गिफ्ट दिए गए । आज समापन समारोह में बच्चों व बड़ो को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय गिफ्ट एवं पाठशाला में आने वाले सभी बड़ों एवं विद्यार्थियों को गिफ्ट गोधा बैग (प्रेम नितिन गोधा) की तरफ से दिए गए। हम उनका हार्दिक अभिनंदन एवं आभार व्यक्त करते हैं। तथा सभी दीदियों (तीनों कक्षाओं) को पाठशाला परिवार की तरफ से बहुत सुन्दर अटैची प्रदान की गई। उदघाटन समारोह मे चित्र अनावरण वीरेंद्र एवं मधु कासलीवाल द्वारा किया गया । अन्य सभी समाज श्रेष्ठियों द्वारा भी सहयोग राशि प्रदान की गई - सभी दान दातार परिवारों का पाठशाला परिवार आभार व्यक्त करता हैं ।

स्वयं का कल्याण केवल धर्म की साधना से संभव: आर्यिका श्री सरस्वती मती माताजी

श्रुत पंचमी पर निकलेगी शोभायात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर में परम पूज्या आर्यिका सरस्वती मती माताजी ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर मंगल आशीर्वाद देते हुए पूज्या गणिनी आर्यिका सरस्वती मती माताजी ने कहा की वरुण पथ की के पावन धरा में उपस्थित सभी भव्य आत्माओं यदि आप अपने जीवन का कल्याण करना चाहते हैं तो निश्चित रूप से आपको धर्म की साधना करनी पड़ेगी। मनुष्य अपना कल्याण केवल वीर प्रभु की साधना से ही कर कर सकता है इसलिए अपने चंचल मन पर धर्म रूपी वेदी को बनाकर अपनी यात्रा के मार्ग को प्रशस्त करने का प्रयास करें जिससे आपके जीवन का कल्याण संभव। इस अवसर पर जन समुदाय को मंगल आशीर्वाद देते हुए आर्यिका अनंत मति माताजी ने कहा कि जिस प्रकार से आप अपना जीवन जिएंगे मन में उसी प्रकार के विचार उत्पन्न होंगे । इसलिए अपने विचारों को सात्विकता प्रदान करने के लिए धर्म को अंगीकार करने की आवश्यकता है । जिससे आप अपना मार्ग प्रशस्त कर जीवन का कल्याण कर सकते हैं । समाज समिति के अध्यक्ष एमपी जैन ने बताया कि परम पूज्या गुरु मां के पावन सानिध्य में श्रुत पंचमी को वरुण पथ समाज समिति द्वारा ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुख्य रूप से मां जिनवाणी को लेकर विशाल शोभायात्रा नगर भ्रमण के लिए निकाली जाएगी। तत्पश्चात भगवान महावीर के समक्ष परम पूज्य गुरु मां के सानिध्य में श्रुत पंचमी पर विधान आयोजित किया जाएगा जिसमें 108 जोड़े आहुति देंगे। समाज समिति के मंत्री ज्ञान बिलाला ने बताया कि कार्यक्रम का विधिवत्त शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया इसके पश्चात गुरु मां के श्री चरणों का पाद पक्षालन करने का सौभाग्य विनेश सोगानी हिमानी जैन मधु जैन रेनू जैन बसंती देवी मोजमाबाद को प्राप्त हुआ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर जयपुर में धार्मिक शिक्षण शिविर का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर जयपुर में ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर-2025 का समापन समारोह उल्लासपूर्वक आयोजित किया गया ।सर्व प्रथम बच्चों बड़ों ने भगवान की आरती की, उसके पश्चात मुख्य अतिथि व दीप प्रज्जवलन कर्ता हंसराज रूपा लुहाड़िया परिवार राजेन्द्र पारस गंगवाल (पार्षद)परिवार उत्तम पंकज बोहरा परिवार, मुकेश पिंकी कासलीवाल परिवार द्वारा दीप प्रज्वलित करने के बाद कार्यक्रम की शुरूआत छोटे बच्चों के मंगलाचरण से शुरू हुई। श्रीमती तारा मणि गोधा ने बताया कि बच्चों द्वारा मोबाइल के दुष्परिणामों की नाटिका की बहुत ही सुंदर प्रस्तुति की गई। मंदिर अध्यक्ष धन कुमार कासलीवाल मंत्री सुरेन्द्र कुमार कासलीवाल प्रकाश पाटनी व समस्त कमेटी का पूरा सहयोग मिला। इस अवसर पर सभी बच्चों को प्रमाण पत्र एवं पारितोषिक दिया गया। श्रीमती पिंकी कासलीवाल व जोली बाकलीवाल द्वारा मंच संचालन किया गया।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा परिडा वितरण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा जीव दया कार्यक्रम के अंतर्गत संभवनाथ दिगंबर जैन मंदिर राधा बिहार न्यू सांगानेर रोड में प्रकाश राहुल पूर्व अध्यक्ष, रोहित छाबड़ा के सहयोग से निरंतर परिंडे वितरण का कार्य किया जा रहा है। ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी ने बताया कि कार्यक्रम में मनीष झाझरी संस्थापक अध्यक्ष, अभय गंगवाल पूर्व अध्यक्ष, मुनिया सोगानी, रश्मि जैन एवं छावड़ा परिवार के व मंदिर कमेटी के गण मान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

तेजाजी धाम पर भव्य कलश यात्रा में 551 महिलाएं शामिल

विष्णु महायज्ञ एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद । विख्यात तेजाजी बासक बाबा धाम रामपुरा पर विष्णु महायज्ञ एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के शुभ अवसर पर गुरुवार को तेजाजी धाम से भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें 551 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कलशों की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना के बाद महिलाएं पारंपरिक गाजे-बाजे के साथ यात्रा पर रवाना हुईं। यह भव्य शोभायात्रा तेजाजी धाम से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग होते हुए रघुनाथ जी मंदिर, हनुमान मंदिर, नदी वाले शिव मंदिर से होती हुई यज्ञशाला पहुंची। यात्रा के दौरान चारों ओर धार्मिक जयकारे गूंजते रहे और श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम में गादीपति महाराज रतनलाल प्रजापत, महंत रामदास महाराज, समिति अध्यक्ष चतरसिंह राठौड़, गोवर्धन सिंह राठौड़, कृष्णगोपाल अग्रवाल, नन्दलाल शर्मा, मोहनलाल शर्मा, धाम आचार्य रामरतन शर्मा, मातादीन गौड़, सत्यनारायण सोनी, पुजारी रतन वैष्णव, पंडित घनश्याम शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, ओमप्रकाश चौहान, मंगल प्रजापति, किशन शर्मा, सुरेंद्र सिंह, रामदेव प्रजापति, घनश्याम शर्मा, रवि शर्मा, पंडित विकास गोतम आदि सेवाएं दे रहे हैं। कलश यात्रा के पश्चात मुख्य यजमान देवराज सिंह शिखरानी एवं यजमान पूर्व थाना अधिकारी भंवरलाल शर्मा की उपस्थिति में यज्ञाचार्यों द्वारा देव पूजन, ब्राह्मण हरण एवं यज्ञशाला प्रवेश की वैदिक विधियों से पूजा-अर्चना की गई। तत्पश्चात वृन्दावन से पधारे कथा वाचक कुंजबिहारी शास्त्री द्वारा विष्णु महापुराण कथा का शुभारंभ किया गया। रात्रि 8 बजे से प्रतिदिन शिवम पाठक राधाकृष्ण रासलीला मंडल द्वारा रासलीला का मंचन किया जा रहा है, जो भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। महोत्सव के तहत आगामी 30 मई को मूर्ति संस्कार की विधि संपन्न की जाएगी। यज्ञाचार्य मोहन लाल व्यास झालावाड़ है।

किशनगढ की अक्षिता जैन ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर किया नाम रोशन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। अ.भा.दि. जैन महासभा के संभाग महामंत्री कमल गंगवाल व अखिल भारतवर्षीय श्री दिगम्बर जैन महासभा, अजमेर संभाग के संयोजक संजय कुमार जैन ने जानकारी दी कि राजस्थान मा. शिक्षा बोर्ड, के आये परिणाम में किडस कान्वेंट पब्लिक स्कूल किशनगढ की छात्रा अक्षिता जैन पुत्री अशोक -अल्का कासलीवाल ने दसवीं बोर्ड के परिणामें 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी स्कूल का,समाज का, परिवार का नाम रोशन किया तथा अक्षिता ने कहा कि वो पूरी मेहनत व लगन के साथ सॉफटवेयर इंजीनियर बनना चाहती है। गंगवाल व जैन ने बताया कि जैन समाज जो भी प्रतिभायें जो उच्चतम अंक प्राप्त कर समाज का नाम रोशन किया ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिये महासभा के मुख्य कार्यालय से आग्रह किया जाएगा। परिणाम आने के पश्चात विभिन्न सामाजिक संस्थाओं व परिवारजन जिनमें श्री दि. जैन महासमिति, अजमेर के अध्यक्ष अतुल पाटनी, संरक्षक राकेश पालीवाल, समाज सेवी सुनील गंगवाल, पंकज गंगवाल, ताराचंद चंद सेठी, श्रेयांश पाटनी,अजीत कासलीवाल किशोर कासलीवाल, महावीर इंटरनेशनल अजयमेरू के सचिव विजय पांडया, सरोज कासलीवाल, रेखा कासलीवाल,सरला गंगवाल, रूबी जैन, मोना जैन, कनिका जैन, खुशबू जैन,सीमा जैन आदि ने उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामना एंव बधाई दी।

चित्रकूट कॉलोनी में हुआ धार्मिक शिक्षण शिविर का हुआ समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर चित्रकूट कॉलोनी में हुआ धार्मिक शिक्षण शिविर के समापन समारोह में दीप प्रज्जवलन श्रीमती चंद्रकांता महेंद्र सुरेंद्र सत्येंद्र सोगानी चनानी परिवार वालों ने किया। शिविर में मौखिक व लिखित परीक्षा में प्रथम द्वितीय तृतीय भाग 6 डाला वह द्रव्य संग्रह की कक्षा लगाई गई जिसमें कुल मिलाकर 185 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी । सिविल में 10 दिन में बच्चों को सेल्फ डिफेंस नृत्य कक्षा योग में आर्ट एंड क्राफ्ट का भी प्रशिक्षण दिया गया। शिविर संयोजक श्रीमती निधि श्रीमती सविता श्रीमती विजीया अजमेरा थी जिन्होंने शिविर को बहुत ही कुशल रूप से संचालित किया। शिक्षिकाओं में श्रमण संस्कृति बालिका छात्रावास की छात्राओं ने बच्चों को धर्म की शिक्षा दी। उनका सहयोग किया श्रीमती संध्या, टीना, भावना, अर्चना, अंजू, अंजू बोहरा, अल्पना, गरिमा, शालू, मयूरी, स्वाति , मीना अजमेरा ने। जिन्होंने बहुत ही मेहनत से शिविर को सफल बनाया। शिविर में हर वर्ष एक बेस्ट टीचर का सिलेक्शन किया जाता है जिसमें श्रीमती अंजू बोहरा को चुना गया।

मनोहर झांझरी ने फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यभार ग्रहण किया

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। श्री दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के आगामी राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी को आज विधिवत कार्यालय शुभारंभ, कार्यभार सौंपा गया। फेडरेशन के राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि फेडरेशन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, हेमचंद झांझरी, महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, महामंत्री बाहुबली पांड्या, सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, महामंत्री सुशील पांड्या राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अश्विन जैन कासलीवाल उज्जैन नवीन जैन आदि पदाधिकारी ने नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बधाई दी एवं सभी ने कहा की श्री मनोहर जी झांझरी फेडरेशन की स्थापना से लेकर आज तक साफ, स्वच्छ एवं निर्विवाद छवि के व्यक्तित्व है। आपकी सरल सौम्यता जग जाहिर है, कार्यभार संभालने के पूर्व ही आपने फेडरेशन के कार्यों को करना प्रारंभ कर दिया था। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनोहर जी झांझरी ने कहा आदरणीय भाई साहब जैन रत्न स्वर की प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल के द्वारा स्थापित फेडरेशन आज समाज में अपनी अलग पहचान बनाए हुए हैं । आदरणीय भाभी साहब पुष्पा जी कासलीवाल का में सदैव ऋणी रहूंगा जो उन्होंने मुझे यह कार्य यह कार्यभार सोपा है आप लोगों के सहयोग एवं स्नेह से ही फेडरेशन के कार्यों को आगे बढ़ाना है। आज महावीर कीर्ति स्तंभ इंदौर पर कार्यालय का विधिवत शुभारंभ एवं श्री मनोहर जी झांझरी को कार्यभार सोपा गया। इस अवसर पर भुपेंद्र जैन विपुल बांझल, आरके जैन एक्साइज, प्रकाश जी पाटोदी रवीश जी जैन देवेंद्र जैन गिरीश रारा ऋषभ जैन, आशीष जैन सूतवाले , प्रदीप गंगवाल, आदि पदाधिकारी उपस्थित हुए कार्यक्रम का संचालन रीजन अध्यक्ष प्रदीप जी चौधरी ने किया आभार महामंत्री संजय पपड़ीवाला जी ने माना।

जयपुर के PAR Technology में आयोजित शिविर में 38 यूनिट रक्तदान

PAR उपकार कार्यक्रम सामाजिक, पर्यावरणीय और परोपकारी जिम्मेदारियों को आगे बढ़ाने के बारे में है, जिसने वंचितों को शिक्षा प्रायोजित करने, वृक्षारोपण, अन्नदान अभियान जैसे कई कार्यों में योगदान दिया है।PAR ने 29 मई 2025 को स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के सहयोग से आनंद फोर्ट, मालवीय नगर जयपुर स्थित कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर के आयोजन का उद्देश्य लोगों को अधिक जागरूकता पैदा करके रक्तदान करने के लिए प्रेरित करना और जरूरतमंद लोगों की मदद करना था। दान शिविर की देखरेख और प्रबंधन के लिए कर्मचारी मौजूद थे। जो लोग PAR से नहीं थे, वे भी जब शिविर लगा हुआ देखा तो रक्तदान के लिए आगे आए। ऋषिता गेरा, रूमा डाकवाले, अमित खंडेलवाल, चिराग गुप्ता, संदीप गर्ग और पराग जैन जैसे कुछ वरिष्ठ अधिकारियो ने इस नेक काम के लिए रक्तदान किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य कल्याण ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर एस एस अग्रवाल ने गर्मी के मोसम मे संस्था द्वारा किये गए पुनित कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।